M.A. Examination 2017
Semester-IV
Hindi
Course : XVI (Special Paper)
(प्रेमचन्द)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए – 2×8=16

(क) हमें घुड़की, डाँट-डपट, सख्ती सब स्वीकार है, केवल हमारा पेट भरना चाहिए। रूखी रोटियाँ चाँदी की थाल में परोसी जायँ, तो भी वे पूरियाँ न हो जायेंगी।

(ख) अब तक तो मैं समझती थी, तुम पर मेरा अधिकार है। तुमसे जितना चाहूँगी, लड़कर ले लूँगी; लेकिन अब मालूम हुआ, मेरा कोई अधिकार नहीं। तुम जब चाहो, मुझे जबाब दे सकते हो।

(ग) हम मूरख, गँवार, अपढ़ हैं। वह लोग तो विद्वान हैं। उन्हें न सोचना चाहिए कि यह गरीब लोग हमारे ही भाई-बन्द हैं। हमें भगवान ने विद्या दी है, तो इन पर निगाह रखें। इन विद्वानों से तो हम मूरख ही अन्धे! अन्याय सह लेना अन्याय करने से तो अच्छा है।

(घ) हम साहित्यकार से यह भी आशा रखते हैं कि वह अपनी बहुज्ञता और अपने विचारों की विस्तृति से हमें जाग्रत करे, हमारी दृष्टि तथा मानसिक परिधि को विस्तृत करे-उसकी दृष्टि इतनी सूक्ष्म, इतनी गहरी और इतनी विस्तृत हो कि उसकी रचना से हमें आध्यात्मिक आनंद और बल मिले।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए – 2×12=24

(क) " 'प्रेमाश्रम' किसान जीवन का महाकाव्य है।" विचार कीजिए।

(ख) अमरकांत का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) 'कर्बला' नाटक की कथावस्तु पर विचार कीजिए।

(घ) 'शतरंज के खिलाड़ी' अथवा "ठाकुर का कुँआ" कहानी की समीक्षा कीजिए।

(ङ) "साहित्य का उदेश्य" निबंध में व्याप्त प्रेमचन्द के विचारों का विश्लेषण कीजिए।